



# NEWSLETTER

शनिवार, 21 जनवरी 2023 | वॉल्यूम - 29

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE

**Maharashtra: Farmers stop selling cotton, 80 percent ginning factories shut down in the state**

**TOP 5 NEWS OF THE WEEK**



**GOLD : 56674  
SILVER : 68594  
CRUD OIL : 6617**

गुजरात के वाकानेर क्षेत्र की फैज इंडस्ट्रीज के जाने-माने जिनर इस्माईल बदी से एसआईएस की बातचीत

**बिगड़ चुका है डिमांड और सप्लाय का संतुलन**

**इस्माईल बदी**  
(वाकानेर, गुजरात)

इंडस्ट्री में ना तो रूई की डिमांड है ना ही धागे की। जब खरीदी ही नहीं है तो प्रोडक्शन कैसे होगा? जब रूई बिकेगी तब प्रोडक्शन बढ़ेगा और प्रोडक्शन तब बढ़ेगा जब डिमांड होगी। यह पूरी चेन ही डिमांड और सप्लाय पर टिकी हुई है। इनदिनों यार्न की डिमांड डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों ही स्तर पर लगभग खत्म है। नतीजा, पूरा व्यापार ही मंदा है। जो थोड़ा बहुत चल भी रहा है वो भी नुकसान में। मैं 25 सालों से इस व्यापार में हूँ लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि सीजन शुरू हुए 4 महीने बीत गए और फैक्ट्री और मिल्स अब भी बंद जैसी स्थिति में ही है।

यह बात कही गुजरात के वाकानेर क्षेत्र की फैज इंडस्ट्रीज के जाने-माने जिनर इस्माईल बदी ने।

**सप्ताह में 1 दिन चल रही जिनिंग**

उन्होंने कहा कि जब तक किसान फसल बेचने के लिए तैयार नहीं हो जाते तब तक हालात में सुधार आना मुश्किल है। हमारे एरिया में अभी कपास का भाव 1700 से 1725 रूपए प्रति 20 किलो चल रहा है लेकिन किसान अपना कपास 2000 रूपए के भाव से कम में नहीं बेचना चाहते हैं। ऐसे में जिनिंग को अपनी खपत के अनुसार कपास मिल ही नहीं पा रहा है। नतीजा, हम सप्ताह में 1 दिन ही अपनी जिनिंग चला पा रहे हैं। इस इलाके में लगभग 15 जिनिंग है और सभी का यही हाल है।

**मिलकर उठाना होंगे कदम**

इस्माईलजी ने बताया कि यह हालात किसी एक राज्य के नहीं बल्कि पूरी इंडस्ट्री के हैं। अब भी समय है सरकार, एसोसिएशन और व्यापारियों को एकजुट होकर इंडस्ट्री को इस संकट से निकालने के प्रयास करने चाहिए। किसानों के हित के साथ व्यापारियों के हित का ध्यान रखना भी जरूरी है। हमें देश में कपास की पैदावार बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेजी से करना होंगे।

**पाकिस्तान के सूती उद्योग पर “गंभीर संकट”**

**लाखों लोगों ने गवांई अपनी नौकरी**



पाकिस्तान के सूती कपड़ा उद्योग में गंभीर संकट के बीच लाखों लोगों की नौकरियां गईं दरअसल, सूती कपड़ा उद्योग में संकट तब आया जब पाकिस्तान खतरनाक रूप से कम विदेशी मुद्रा भंडार, उच्च मुद्रास्फीति और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा लगाए गए सख्त नियमों से जूझ रहा है।

सूती कपड़ा उद्योग, पाकिस्तान के कृषि-उद्योग का गौरव और आनंद, देश में चल रहे आर्थिक संकट के कारण गंभीर मंदी के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के शीर्ष कपड़ा उत्पादकों में से एक, पाकिस्तान के कपड़ा निर्यात का मूल्य 2021 में \$19.3 बिलियन था। इसने उस वर्ष पाकिस्तान के कुल निर्यात का आधे से अधिक का गठन किया।

हालाँकि, पाकिस्तान में कई छोटी कपड़ा मिलें और विनिर्माण इकाइयाँ जो यूरोप और अमेरिका को निर्यात के लिए बेडशीट, तौलिया और डैनिम बनाती हैं, कपास की भारी कमी के कारण बंद हो गई हैं। पाकिस्तान में सूती कपड़ा उद्योग को आवश्यक कच्चे माल की खरीद में बेहद मुश्किल हो रही है और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से ऑर्डर पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार की कमी के कारण कराची बंदरगाह पर कच्चे माल, चिकित्सा उपकरण और खाद्य सामग्री के हजारों शिपिंग कंटेनर फंस गए हैं। संकट यह है कि पाकिस्तान के सूती वस्त्र उद्योग ने लाखों श्रमिकों को अपनी नौकरी खोने के खतरे में डाल दिया है। पाकिस्तान में कपड़ा संघों के अनुसार, हाल के महीनों में लगभग 7 मिलियन श्रमिकों ने अपनी नौकरी खो दी है।

पिछले साल पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ ने कपास की अधिकांश फसल को नष्ट कर दिया था। पाकिस्तान के स्टेट बैंक ने कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह गिरकर 4.3 बिलियन डॉलर हो गया है - फरवरी 2014 के बाद से सबसे कम। उस राशि का लगभग 3 बिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए सऊदी अरब द्वारा दिया गया है, लेकिन इसका उपयोग करने के लिए नहीं है।

**घरेलू बाजार और निर्यात में सूती धागे की कम मांग के कारण मिल्स पर छाया वित्तीय संकट**

महाराष्ट्र सहकारी मिलों की वास्तविक व्यवहार्यता और कार्य परिदृश्य का पता लगाने के लिए, SIS टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्य श्री एस.के. गुप्ता (पूर्व कार्यवाहक महाप्रबंधक, एनटीसी) ने हमारी मेलिंग सूची में मौजूद अधिकांश इकाइयों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। मिल मालिकों से चर्चा करते हुए सामान्य तौर पर देखा गया है कि नागपुर, सोलापुर, कोल्हापुर, धुले, परभणी और सतारा में स्थित कुछ मिलें वित्तीय संकट के कारण बंद हो गई हैं। कुछ मिलों को पॉलिएस्टर/सिंथेटिक फाइबर में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कपास की कम उपलब्धता और घरेलू बाजार और निर्यात में सूती धागे की कम मांग के कारण है।

उपरोक्त कारणों से मिल्स में बिक्री योग्य धागे का काफी स्टॉक हो गया है, जो दिन-ब-दिन ढेर बढ़ता जा रहा है। यह अनिश्चित स्थिति मिलों को उत्पादन धीमा करने या आंशिक रूप से संचालित करने के लिए मजबूर कर रही है। अधिकांश कामकाजी मिल्स में 20 से 60 काउंट वाले कताई कार्डेड / बुनाई यार्न का उत्पादन है। वे 30 दिनों के क्रेडिट @ 15% ब्याज दर पर 24 मिमी से 31 मिमी स्टेपल लंबाई, 74/75 आरडी, नमी% 3 से 3.5 के रूप में पैरामीटर वाले कपास खरीद रहे हैं। उपरोक्त को देखते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कपड़ा मिलें एक विषम स्थिति का सामना कर रही हैं और अपने अस्तित्व के लिए कठिन संघर्ष कर रही हैं।

**एस के गुप्ता, पूर्व कार्यवाहक महाप्रबंधक, (एनटीसी की स्पेशल सर्वे रिपोर्ट)**

Download Our App **“SIS CONNECT”** For Daily Updates.

[CLICK HERE](#)

EDITOR - RAKSHA BHAGAT JAIN  
(+91 - 74150 28064)



## Cotton Fiber Testing Services

Delivering Accurate & Reliable Results



### "FIRST"

Uster HVI 1000 Cotton Testing Laboratory in  
Telangana & Andhra Pradesh

▲ Convenient location -  
5 min walking distance from  
MGBS Bus Stand, Hyd

▲ Switzerland technology  
- Uster HVI 1000

▲ Testing according to global  
standards

▲ 12 hours of conditioning as per  
ICA Bremen Rules (Germany)

▲ Reports delivered through  
email and whatsapp

**WANT  
ACCURATE AND DEPENDABLE  
RESULTS ?**

Pickup services from MGBS Bus Stand,  
JBS Bus Stand and from private bus points

Cotton Fiber Testing Services (CFTS)  
Flat No. 15-4-67, 4<sup>th</sup> Floor, Saraswati Complex, Old Bus Stand Road,  
Gowliguda Chaman, Hyderabad - 500012.

Phone Number: 91211 82226, 91210 49801 | Email ID: cfts.hyd@gmail.com

## टेक्सटाइल निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

### 16 से 21 जनवरी 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित रिपोर्ट

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल निवेशकों के लिए यह सप्ताह मिला-जुला कहा जा सकता है। हालांकि पिछले सप्ताह की तरह इस बार शेयर्स के भाव बढ़े नहीं हैं बल्कि इनका मार्केट कैप निगेटिव ही हुआ है। बावजूद इसके एक्सपर्ट की माने तो नए निवेशकों के लिए यह बेहतर समय है। आइए जानते हैं बीएससी के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की परफॉर्मेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	310	317.55	306.2	2.13%
अरविद लिमिटेड	87.1	89.85	86.55	3.06%
वेलसपन इंडिया	72.3	74.2	71.5	1.09%
नितिन स्पिनर्स	218.3	228.55	217.05	4.23%
रेमण्ड	1508.35	1553	1416.05	2.07%
अक्षिता कॉटन	55.5	56.7	51.6	0.89%

## जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

### SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 21.01.2023

#### ICE COTTON

MONTH	13.01.23	20.01.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	82.29	86.70	4.41
MAY	82.6	87.06	4.46
JULY	82.87	87.22	4.35

#### NCDEX (KAPAS)

APRIL	1604	1620	16

#### NCDEX (COCUD KHAL)

FEB	2894	2870	-24
MARCH	2812	2812	0

#### CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	81.33	81.13	-0.2
PAK (Pakistani Rupee)	228.768	229.793	1.025
CNY (Chinese yuan)	6.70556	6.78368	0.07812
BRAZIL (Real)	5.069	5.20789	0.13889
AUSTRALIAN Dollar	1.43231	1.43628	0.00397
MALAYSIAN RINGGITS	4.33506	4.28549	-0.04957

COTLOOK "A" INDEX	97.85	99.1	1.25
BRAZIL COTTON INDEX	104.15	102.95	-1.2
USDA SPOT RATE	80.9	85.2	4.3
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0

GOLD (\$)	1923.35	1927.70	4.35
SILVER (\$)	24.415	24.060	-0.355
CRUDE (\$)	80.07	81.96	1.89

इस सप्ताह कॉटन मार्केट में बढ़ोतरी का रुख रहा। सप्ताहांत पर इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मार्च, मई और जुलाई तीनों ही महीनों के सौदों के भाव में बढ़ोतरी दर्ज हुई। मार्च माह के लिए 4.41, मई के लिए 4.46 और जुलाई माह के सौदों में 4.35 तक की बढ़त देखी गई।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस सप्ताह बढ़े हैं। अप्रैल माह के सौदे के लिए सप्ताह की शुरुआत में भाव 1604 रूपए थे जो सप्ताहांत पर 16 रूपए बढ़कर 1620 रूपए हो गए। जबकि खल के भाव में इस बार कमी दर्ज हुई है। फरवरी सौदे के लिए भाव में 24 रूपए की कमी दर्ज की गई है। जबकि मार्च सौदे के भाव में कोई अंतर नहीं आया है।

अन्य इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट में भी ब्राजील कॉटन इंडेक्स को छोड़ बाकि सभी प्लेटफॉर्म पर कॉटन ने पॉजिटिव बढ़त हासिल की। करंसी की बात करें तो भारतीय रूपए और मलेशियन रिंगित को छोड़ इस सप्ताह बाकि सभी करंसी पर डॉलर का अधिपत्य बरकरार रहा।

## महाराष्ट्र: किसानों ने कपास बेचना किया बंद, प्रदेश में 80 फीसदी जिनिंग फैक्ट्री हुई बंद



### किसान कपास की अच्छी कीमत का इंतजार कर रहे हैं




इस वर्ष प्रदेश में कपास का उत्पादन अच्छा रहा है। हालांकि मौजूदा समय में कपास के भाव नहीं मिलने से किसानों को कपास बिना बेचे ही अपने घरों में रखनी पड़ रही है। किसान कपास की अच्छी कीमत का इंतजार कर रहे हैं। इस वजह से प्रदेश में करीब 80 फीसदी कॉटन जिनिंग फैक्ट्री बंद रहते हैं। राज्य में करीब 500 जिनिंग्स हैं और इनमें करीब 3 लाख मजदूर काम करते हैं। जिस पर भुखमरी का समय आ गया है।

### अंतरराष्ट्रीय बाजार में राज्य से कपास की भारी मांग

पश्चिम विदर्भ का कपास उच्च गुणवत्ता का है और इसकी लंबी धागा उपज के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उच्च मांग है। चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस जैसे देशों से भारी मांग के बावजूद इस साल कपास की कमी के कारण कपास जिनिंग फैक्ट्री बंद हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रदेश की कपास की मार्किंग हो रही है। हालांकि, किसानों को उत्पादन के आधार पर कीमत नहीं मिलने से ओटाई चलाने वाले किसानों के साथ-साथ किसानों को भी परेशानी हो रही है। इस पर निर्भर तीन लाख कर्मी भी संकट में हैं।

### कपास के दाम कब सुधरेंगे?

पिछले साल कपास की गुणवत्ता के आधार पर कीमत 10 हजार से 13 हजार रुपये तक थी। इस साल हालांकि कपास का यह रेट अभी भी आठ से साढ़े आठ हजार रुपये पर कायम है। कीमत बढ़ने की उम्मीद में किसानों ने अपने पास मौजूद कपास को बेचने के बजाय घर पर ही रखना पसंद किया है। ऐसे में किसान कपास के दाम बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। दूसरी ओर, कपास चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जबकि रेट का मामला गरमाता जा रहा है। गोदाम में रखे कपास की चोरी हो रही है। ऐसे में किसान परेशान हैं।

The Central Organisation For Oil Industry & Trade

आज़ादी का अमृत महोत्सव

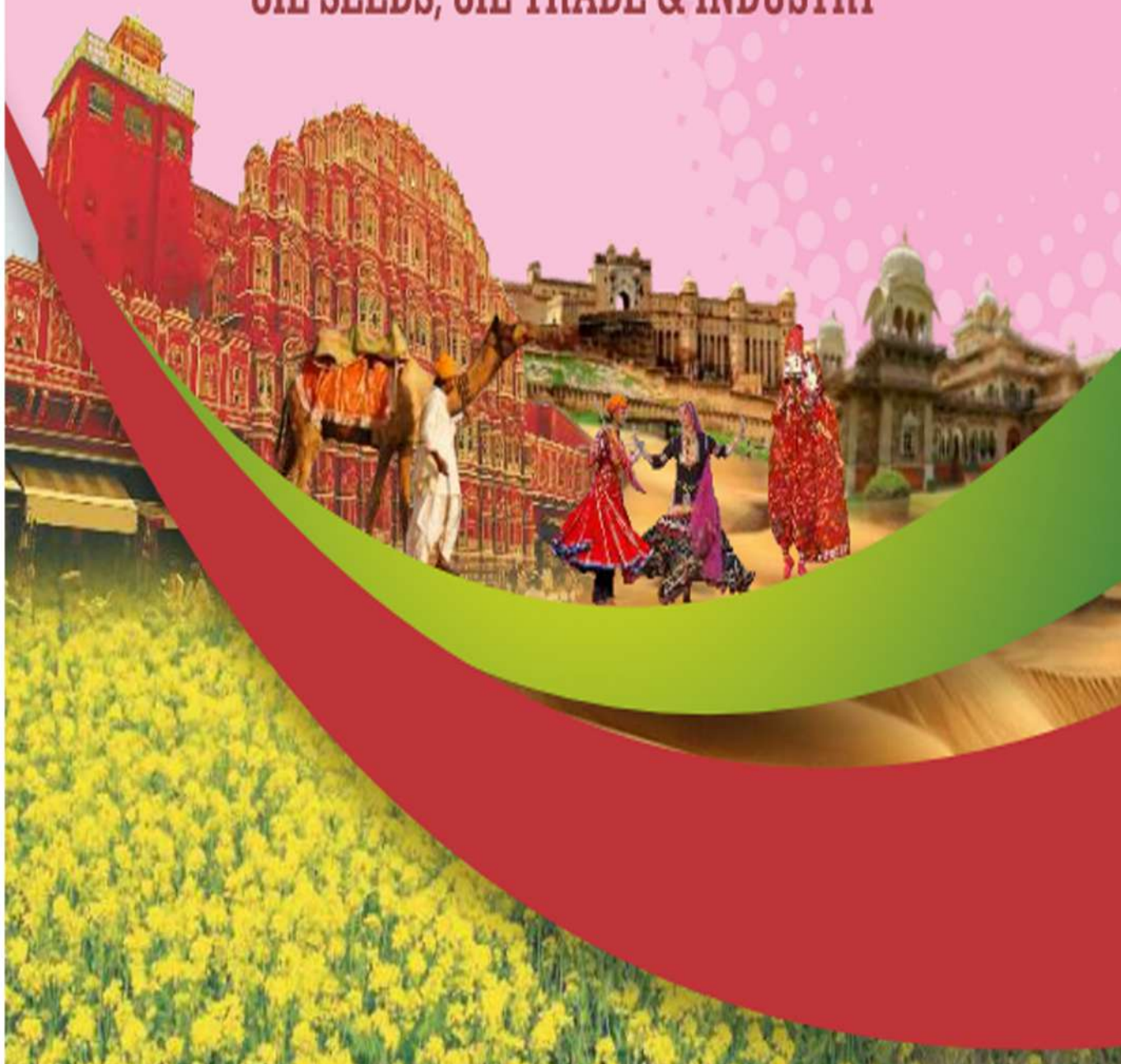
Mustard Oil Producers Association of India

R A J A S T H A N

## पधारो म्हारे देश


# 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

### Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

**Office :** Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
Fax: +91-141-2554972 • website : [www.info@mopaindia.org](http://www.info@mopaindia.org) • E-mail : [info@mopaindia.org](mailto:info@mopaindia.org)

**Seminar Office :** B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : [mopa.jaipur@gmail.com](mailto:mopa.jaipur@gmail.com)

# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

- शिनजियांग प्रतिबंध के बाद अमेरिका से चीन के कपास आयात ने छुआ आसमान**  
 अमेरिका से चीन का कपास आयात 2022 में नई ऊंचाई पर पहुंच गया। अमेरिका ने जून 2022 में चीन के झिंजियांग क्षेत्र से आने वाले कपास और कपास उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे चीन द्वारा कपास के आयात में भारी वृद्धि हुई।
- बांग्लादेश से भारत के परिधान निर्यात में 50% की बढ़ोतरी**  
 चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में भारत में बांग्लादेश से परिधान निर्यात बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन छह महीनों में, भारत को बांग्लादेश का कुल निर्यात देश की कुल निर्यात आय का चार प्रतिशत और पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सात प्रतिशत अधिक था।
- ब्राजील -2023 में बढ़ सकता है कपास का रकबा लेकिन, वैश्विक अर्थव्यवस्था है चिंता का विषय**  
 2021/22 की तुलना में 2022/23 ब्राजील के उत्पादन के लिए 16.6% की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो 2.973 मिलियन टन तक पहुंच गया है, जो इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा होगा। यह 1,815 किलो प्रति हेक्टेयर (2021/22 के संबंध में +13.9%) और क्षेत्र में वृद्धि (+2.3%), 1.638 मिलियन हेक्टेयर पर उत्पादकता का परिणाम है।
- कमजोर मांग के बीच दक्षिण भारत में सूती धागे की कीमतें स्थिर**  
 तिरुपुर पोंगल मना रहा था, इसलिए दक्षिणी बाजार में कोई व्यापार नहीं हुआ। कारोबारियों ने कहा कि लिवाली कम हुई है, जिससे सूत कारोबार में धारणा कमजोर हुई। हालांकि, इस क्षेत्र में निर्यात पूछताछ में वृद्धि देखी गई। मुंबई में सूती धागे की कीमतें स्थिर रहीं।
- चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पहली बार 100 अरब डॉलर के स्तर पर**  
 भारत और चीन के बीच व्यापार 2022 में 136 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले के 125 बिलियन डॉलर के निशान को पार कर गया था, जबकि नई दिल्ली का बीजिंग के साथ व्यापार घाटा पहली बार 100 बिलियन डॉलर के निशान को पार कर गया था।

### काँटन फिजिकल मार्केट में तेजी

इस बार काँटन के दाम का ग्राफ एक बार फिर उपर की ओर है। नार्थ, सेंटल और साउथ तीनों ही झोन में काँटन के दामों में तेजी दर्ज की गई है। नार्थ झोन में पंजाब और हरियाणा में 100 रूपए की तेजी देखी गई जबकि अपर राजस्थान में काँटन के दाम 75 रूपए प्रति मंड तक बढ़े हैं।

सेंटल झोन की बात करें तो केवल मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है जहां कोई तेजी या मंदी दर्ज नहीं हुई है। जबकि सप्ताहअंत में गुजरात में 400 और महाराष्ट्र में 500 रूपए प्रति कैंडी तक भाव बढ़े हैं।

साउथ झोन में भी इस सप्ताह तेजी का रुख रहा है। उडिसा में 900 रूपए, कर्नाटक में 1000 रूपए, आंध्र प्रदेश में 700 और तेलंगाना में सबसे कम 500 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त इस सप्ताह हुई है।

SMART INFO SERVICES		DATE: 21.01.2023				
india.smartinfo@gmail.com						
Call : 91119 77771 - 5						
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	16.01.23		21.01.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,275	6,375	6,400	6,475	100
HARYANA	27.5/28	6,200	6,350	6,300	6,450	100
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,500	6,575	75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,000	62,300	62,200	62,700	400
MADHYA PRADESH	29	61,000	61,500	61,000	61,500	0
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	62,000	62,000	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	62,100	62,200	63,000	63,100	900
KARNATAKA	29+	61,500	62,000	62,500	63,000	1,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,300	62,500	63,000	700
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,500	63,000	62,500	63,500	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



# NEWSLETTER

Saturday, 21st January 2023 | VOL. 29



**Maharashtra: Farmers stop selling cotton, 80 percent ginning factories shut down in the state**

**TOP 5 NEWS OF THE WEEK**



**GOLD : 56341  
SILVER : 69420  
CRUD OIL : 6458**

*SIS talks with renowned ginner Ismail Badi of Faiz Industries of Wakaner region of Gujarat.*



**The balance of demand and supply has been deteriorated**

**Ismail Badi**  
(Wakaner, Gujarat)

There is neither demand for cotton nor thread in the industry. When there is no purchase then how will production take place? When cotton is sold, production will increase and production will increase when there is demand. This entire chain depends on demand and supply. These days the demand for yarn is almost nil at both domestic and international level. As a result, the whole business is slow and that too in loss. I have been in this business for 25 years but this is the first time that 4 months have passed since the season started and the factories and mills are still in closed condition.

## Ginning is being done once a week

He said that it is difficult to improve the situation until the farmers are ready to sell their crops. In our area, currently the price of cotton is oscillating between Rs.1700 to 1725 per 20 kg but farmers do not want to sell their cotton for less than Rs.2000. In such a situation, ginneries are not able to get cotton as per their consumption. As a result, we are able to operate the ginning mills merely once a week. There are about 15 ginning mills in this area and all are facing the same situation.

## Measure that can be adopted

Ismailji told that this is not happening in one or two states but in the entire industry. There is still time, the government, associations and traders should unite and make efforts to get the industry out of this crisis. Along with the interest of the farmers, it is necessary to take care of the interest of the traders. We have to make rapid efforts towards increasing the production of cotton in the country.

## Pakistan finds difficult to cope-up with **adversities** of textile sector



The cotton textile industry, the pride and joy of Pakistan's agro-industry, is going through a severe downturn due to the ongoing economic crisis in the country.

One of the top textile producers in the world, Pakistan's textile exports was valued at \$19.3 billion in 2021. It constituted more than half of Pakistan's total exports that year.

However, many small textile mills and manufacturing units in Pakistan that make bed sheets, towels and denims for export to Europe and the US have been shut down due to a severe shortage of cotton. As if that was not enough, the country's cotton textile industry has been hit with a recent tax hike.

The crisis in the cotton textile industry comes as Pakistan is struggling with alarmingly low foreign exchange reserves, high inflation and tough regulations imposed by the International Monetary Fund (IMF). The cotton textile industry in Pakistan is finding it extremely difficult to procure necessary raw materials and is struggling to meet orders from international clients.

The shortage of foreign exchange reserves has resulted in thousands of shipping containers with raw materials, medical equipment and food items stuck at Karachi port.

The crisis is Pakistan's cotton textile industry has put millions of workers in danger of losing their jobs. According to textile associations in Pakistan, around 7 million workers have lost their jobs in recent months.

The devastating floods that had swept Pakistan last year had destroyed much of the cotton crop. Pakistan's State Bank has said that the country's foreign exchange reserves dipped to \$4.3 billion last week – the lowest since February 2014. Around \$3 billion of that amount has been given by Saudi Arabia to shore up the forex reserves, but is not meant to be used.

## A Discourse with Millers

In order to find out the real viability and working scenario of Maharashtra Co-operative Mills, the senior most member of SIS team Mr. S.K. Gupta (Ex Acting General Manager, NTC) had a telephonic conversation with most of the units present in our mailing list. While discussing with the mill owners, in general it is observed that some mills, located in Nagpur, Solapur, Kolhapur, Dhule, Parbhani and Satara have been shut down due to financial crisis. Few mills have been shifted to polyester/synthetic fibres. This is because of the poor availability of cotton and a lesser demand of cotton yarn in domestic market and export. Mills are carrying considerable stock of saleable yarn which is getting piled up day by day. This precarious situation is compelling mills to slow down the production or operate partially.



Majority of working mills are spinning carded/weaving yarn having range between 20s to 60s counts. They are buying cotton, having parameters as 24 mm to 31 mm staple length, 74/75 RD, moisture % 3 to 3.5 on 30 days credit @ 15% interest rate.

In view of the above, it may be concluded that textile mills are facing a crucial period and struggling hard for their survival.

**Mr. S.K. Gupta, Ex Acting General Manager, ( NTC)**



## Cotton Fiber Testing Services

Delivering Accurate & Reliable Results



### "FIRST"

Uster HVI 1000 Cotton Testing Laboratory in  
Telangana & Andhra Pradesh

▲ Convenient location -  
5 min walking distance from  
MGBS Bus Stand, Hyd

▲ Switzerland technology  
- Uster HVI 1000

▲ Testing according to global  
standards  
▲ 12 hours of conditioning as per  
ICA Bremen Rules (Germany)  
▲ Reports delivered through  
email and whatsapp

**WANT  
ACCURATE AND DEPENDABLE  
RESULTS ?**

Pickup services from MGBS Bus Stand,  
JBS Bus Stand and from private bus points

Cotton Fiber Testing Services (CFTS)  
Flat No. 15-4-67, 4<sup>th</sup> Floor, Saraswati Complex, Old Bus Stand Road,  
Gowliguda Chaman, Hyderabad - 500012.

Phone Number: 91211 82226, 91210 49801 | Email ID: cfts.hyd@gmail.com

## The stock market performance for textile investors

### Report based on share value of major textile companies between 16 to 21 January 2023

This week can be called mixed for textile investors in the stock market. However, like last week, this time the prices of shares have not increased, but their market cap has become negative. Despite this, according to experts, this is a better time for new investors. Let's know how was the performance of major textile companies on the stage of BSC-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE
VARDHMAN TEXTILE LTD	310	317.55	306.2	2.13%
ARVIND LTD	87.1	89.85	86.55	3.06%
WELSPUN INDIA	72.3	74.2	71.5	1.09%
NITIN SPINNERS	218.3	228.55	217.05	4.23%
RAYMOND	1508.35	1553	1416.05	2.07%
AXITA COTTON	55.5	56.7	51.6	0.89%

## Know how this week was for cotton

### SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 21.01.2023

#### ICE COTTON

MONTH	13.01.23	20.01.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	82.29	86.70	4.41
MAY	82.6	87.06	4.46
JULY	82.87	87.22	4.35

#### NCDEX (KAPAS)

APRIL	1604	1620	16
-------	------	------	----

#### NCDEX (COCUD KHAL)

FEB	2894	2870	-24
MARCH	2812	2812	0

#### CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	81.33	81.13	-0.2
PAK (Pakistani Rupee)	228.768	229.793	1.025
CNY (Chinese yuan)	6.70556	6.78368	0.07812
BRAZIL (Real)	5.069	5.20789	0.13889
AUSTRALIAN Dollar	1.43231	1.43628	0.00397
MALAYSIAN RINGGITS	4.33506	4.28549	-0.04957

COTLOOK "A" INDEX	97.85	99.1	1.25
BRAZIL COTTON INDEX	104.15	102.95	-1.2
USDA SPOT RATE	80.9	85.2	4.3
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20000	0

GOLD (\$)	1923.35	1927.70	4.35
SILVER (\$)	24.415	24.060	-0.355
CRUDE (\$)	80.07	81.96	1.89

The cotton market saw an upward trend this week, with the International Cotton Exchange recording higher prices for deals in March, May, and July. Specifically, prices for March were 4.41, for May 4.46, and for July 4.35.

This week, cotton prices on NCDeX also rose. The April contract began the week at Rs 1604 and ended at Rs 1620, an increase of Rs 16. Conversely, the price of khal decreased, with the rate for the February deal declining by Rs 24. The price for the March deal remained unchanged.

On other platforms of the International Cotton Exchange, cotton saw positive gains across the board, except for the Brazil Cotton Index. As for currency, the dollar remained dominant across all currencies except the Indian rupee and the Malaysian ringgit this week.

**Maharashtra:** Farmers stop selling cotton, 80 percent ginning factories shut down in the state. Presently the cotton producing farmers in the state are in distress. Because the price of cotton is continuously falling. Due to this, the farmers are facing a big financial loss. Due to fall in prices, farmers have decided not to sell cotton. Many farmers have stored cotton indoors. That's why about 80 percent of the cotton ginning factories in the state remain closed. The 20 percent ginning factories that were started are also getting closed now due to scarcity of cotton.



### Farmers are waiting for good price for cotton




Cotton production in the state has been good this year. However, at present, due to non-availability of cotton prices, farmers have to keep cotton in their homes without selling it. Farmers are waiting for good price for cotton. Because of this, about 80 percent cotton ginning factories remain closed in the state. There are about 500 ginning in the state and about 3 lakh labourers work in them, who are consequently on the verge of starvation.

### Heavy demand for cotton from the state in the international market

The cotton of West Vidarbha is of high quality and is in high demand in the international market due to its long yarn yield. Cotton ginning factories are closed this year due to shortage of cotton despite huge demand from countries like China, Australia, Japan, Russia. That's why the cotton of the state is being marketed in the international market. However, the farmers as well as the ginners are facing problems due to not getting the price on the basis of production. Three lakh workers dependent on it are also in trouble.

### When will cotton prices improve?

Last year, depending on the quality of cotton, the price ranged from Rs 10,000 to Rs 13,000. Although this year, this rate of cotton is still stable at eight to eight and a half thousand rupees. Expecting price rise, farmers have preferred to keep the cotton they have at home instead of selling it. In such a situation, the farmers are waiting for the price of cotton to increase. On the other hand, cases of cotton theft are continuously coming to the fore, while the rate issue is heating up. Cotton kept in the repository is being stolen. In such a situation, the farmers are worried.

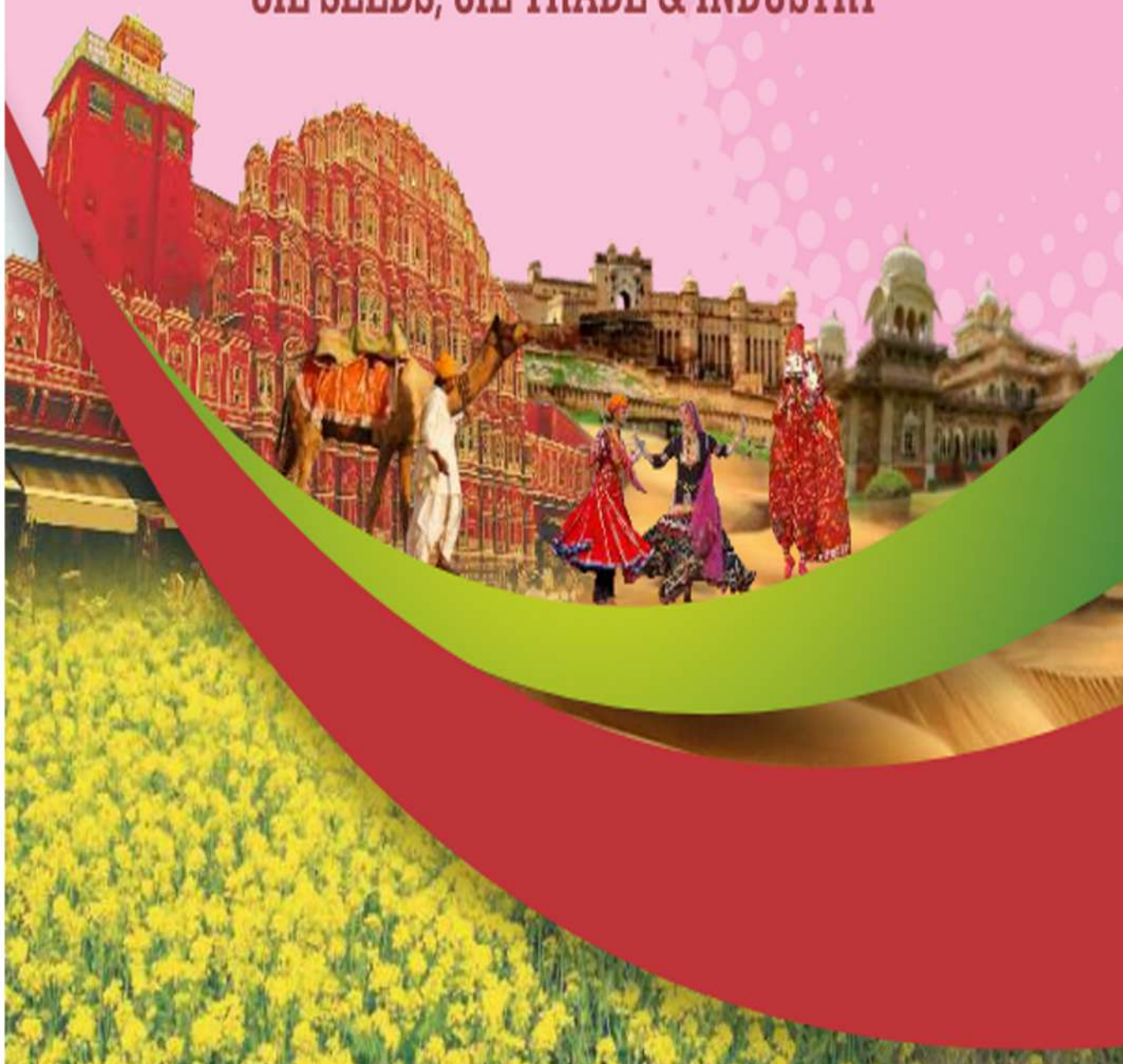
The Central Organisation For Oil Industry & Trade      आज़ादी का अमृत महोत्सव      Mustard Oil Producers Association of India

R A J A S T H A N

# पधारो म्हारे देश


## 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

### Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

**Office :** Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
Fax: +91-141-2554972 • website : [www.info@mopaindia.org](http://www.info@mopaindia.org) • E-mail : [info@mopaindia.org](mailto:info@mopaindia.org)

**Seminar Office :** B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : [mopa.jaipur@gmail.com](mailto:mopa.jaipur@gmail.com)

# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### After a ban on cotton from Xinjiang, China's imports of cotton from the United States have greatly increased.

In 2022, China is expected to see a significant rise in its imports of cotton from the United States, due to the restrictions imposed by the US on cotton and cotton products from China's Xinjiang region in June of the same year.

### Bangladesh has seen a 50% increase in its apparel exports to India

During the first half of the current fiscal year, Bangladesh's garment exports to India have seen a 50% increase compared to the same period of the previous fiscal year, making up 4% of the country's total export earnings and 7% higher than the previous year.

### Brazil may see an increase in cotton production in 2023, however, the state of the global economy is a cause for concern.

Brazil's cotton production is expected to rise by 16.6% in 2022/23, reaching a total of 2.973 million tonnes. This would make it the second-highest production in the country's history. The increase is attributed to a rise in productivity, which is forecast to be 1,815 kg per hectare, a 13.9% increase from the previous year. Additionally, the planted area is also expected to increase by 2.3%, reaching 1.638 million hectares.

### In South India, the prices of cotton yarn have remained stable despite weak demand.

The southern market, including Tiruppur, was closed due to the celebration of Pongal, so there was no trading activity. Buyers reduced their purchases, which led to a decrease in sentiment in the yarn market. Despite this, there was an uptick in export inquiries. Meanwhile, prices for cotton yarn in Mumbai remained unchanged.

### For the first time, India's trade deficit with China has surpassed the \$100 billion mark.

India and China's trade is projected to reach a record high of \$136 billion in 2022, surpassing the previous year's total of \$125 billion. As a result, India's trade deficit with China is expected to exceed \$100 billion for the first time and has already reached that level.

### A surge in the physical cotton market.

Cotton prices have been on the rise in all regions of India, with North, Central, and South zones all seeing an increase. In the North zone, prices have risen by Rs 100 in Punjab and Haryana, and by Rs 75 in Upper Rajasthan.

In the Central zone, Madhya Pradesh is the only state where prices have remained steady, while Gujarat and Maharashtra have seen prices increase by up to Rs 400 and Rs 500 per candy respectively.

In the South zone, prices have risen by Rs 900 in Odisha, Rs 1000 in Karnataka, Rs 700 in Andhra Pradesh, and Rs 500 in Telangana.

STATE		STAPLE LENGTH	16.01.23		21.01.23		AVERAGE PRICE
			LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>							
PUNJAB	28.5	6,275	6,375	6,400	6,475	100	
HARYANA	27.5/28	6,200	6,350	6,300	6,450	100	
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,500	6,575	75	
<b>CENTRAL ZONE</b>							
GUJARAT	29	62,000	62,300	62,200	62,700	400	
MADHYA PRADESH	29	61,000	61,500	61,000	61,500	0	
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	62,000	62,000	500	
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775							
<b>SOUTH ZONE</b>							
ODISHA	29.5+	62,100	62,200	63,000	63,100	900	
KARNATAKA	29+	61,500	62,000	62,500	63,000	1,000	
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,000	62,300	62,500	63,000	700	
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,500	63,000	62,500	63,500	500	
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.							
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy							